

असाधारण EXTRAORDINARY

PART II—was 3—sq-was (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)



प्राधिकार से प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY

₩. 336]

मई विस्ली, बृहस्पतिवार, अगस्त 16, 1990/आवण 25, 1912

No. 336]

NEW DELHI, THURSDAY, AUGUST 16, 1990/SRAVANA 25, 1912

इ.स. भाग में भिन्न पूक्त संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकासन को रूप में रखा जा सको

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

रेलवे मंद्रालय

(रेलवं बोर्ड)

प्रधिसूचना

नई दिल्ली, 16 अगस्त, 1990

सा.का.नि. 708 (म्र).—केन्द्रीय सरकार, साधारण वाह ग्रीधिन्यम, 1897 (1897 का 10) की धारा 22 के साथ पठित रेल मिंधिन्यम, 1989 (1989 का 24) की धारा 60 की उपधारा (2) के खंद (ग) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुन, विम्नलिखित नियम बनाती है, भ्रार्थात् :—

- संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ: (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम यास्री (नाम परिवर्तन) नियम, 1990 है,
 - (2) ये प्रधिनियम के प्रारंभ की तारीख को प्रकृत होंगें।

2. परिभाषाएं :

इस नियमों में, जब तक कि संदर्भ से भ्रन्यथा अपेक्षित ने हो :---

(क) 'ग्राधिनियम' से रेल भिधिनियम, 1989 (1989 का 24)ग्राभिप्रत है;

- (ख) 'समुजित प्राधिकारी' से मंबंधित सरकारी सेवक का सरकारी वौरे का प्रतुमोदन करने वाला कोई प्राधिकारी प्राभिन्नेत है;
- (ग) 'सरकारी सेवक' से केन्द्रीय सरकार या राज्य सरकार के अविन्य सेवारत कोई व्यक्ति अभिग्रेत है;
- (घ) 'क़ुदुम्ब' का सबस्य से माता, पिता, भाई, बहुन, पुन्न, पुन्नी, पति या पत्नो अभिन्नेत है;
- (ङ) 'यात्री' से वह व्यक्ति ग्रामिप्रेंत है जो किसी टिकट पर सर किसी विधिमान्य पास पर यात्रा कर रहा हो;
- (घ) 'भारक्षित टिकट' से वह यात्रा टिकट प्रभिन्न है जिस पर कोई वर्ष या सीट भारक्षित की गई है—
- (छ) उन मध्यों या पदों के, जो इननें प्रयुक्त हैं सीर परिभाषिक नहीं है किन्तु सिंबिनियम में परिभाषित हैं, वही अर्थ होंने जो उनके प्रधिनियम में हैं,
- 3. (1) उप नियम (2) में श्रन्थया उनबंधित के सिवाए कोई वर्ष या कोई सीट जो किमी व्यक्ति के नाम में श्रारक्षित को गई हो केवल उसी व्यक्ति क्षारा प्रयोग की जाएगी श्रीर किमी श्रन्य व्यक्ति को श्रन्तरणीय महीं होगी।

- (2) किसी रेल प्रणामन द्वारा इस निमित्त प्राधिकृत कोई रेल सेवक, निम्नलिखित परिस्थितियों में किसी यात्री जिलके नाम में कोई मीट या वर्ष ग्रारक्षित के नाम परिचर्नन को श्रनुकास कर सकैगा; प्रथांत्-
 - (क) जहां बाल्ली कर्लांक्य पर जा रहा कोई सरकारी सेवक है धीर समुचित प्राधिकारी ट्रेन के नियत प्रस्थान में 24 घटे पहले लिखित में यह अनुरोध करे कि सरकारी सेवक के नाम में किया गया आरक्षण कर्लांक्य पर जा रहे धन्य सरकारी सेवक के नाम में धंतरित कर दिया जाए;
 - (का) जहां यात्री ट्रेन के नियत प्रस्थान से 24 घंटे पहले लिखित में यह प्रनुरोध करें कि उसके नाम में किया गया भारकाण उससे कुट्म्ब के ग्रन्य सदस्य को ग्रन्तरित कर विया जाए;
 - (ग) जहां याली किसी मान्यता प्राप्त ग्रीक्षाणिक संस्था के छाछ हो ग्रीर सस्या का प्रधान ट्रेन के नियत प्रस्थान से 48 चंटे पहले खिलिस में यह श्रनुरोध करे कि किसी छात्न के नाम में किया गया श्रारक्षण उसी संस्था के श्रन्य किसी छात्न को ग्रंतरिस कर दिया जाए;

परन्तु परिवर्णन के लिए कोई उक्त धनुरोध केवल एक सार संजूर किया जाएगा।

परन्तु यह श्रीर कि किसी भी वशा में समूह भी फुल संख्या के 10 प्रतिशत से श्रिथिक परिवर्तन के लिए उक्त श्रनुरोध मनूर नही किय। वाएगा।

(घ) जहां यात्री किसी विवाह पार्टी के सदस्य हों झौर कोई व्यक्ति जो उक्त पार्टी का प्रधान माना गया हो ट्रेन के नियत प्रस्थान से 48 शंटे पहले लिखित में यह झनुरोध करे कि निवाह पार्टी के किसी सबस्य के नाम किए गए झारक्षण का झरतरण किसी झम्य व्यक्ति को कर दिया जाए;

परन्तु परिवर्तन के लिए उक्त अनुनोध केवल एक बार मंजूर किया बाएगा;

परन्तु यह घौर कि किसी भी दशा में समूह की कुल संख्या के 10 प्रतिशत से अधिक परिवर्तन के लिए उक्त प्रमुरोध मंजूर नहीं किया आपरगा।

> [सं. 89/टो जी 1/20/पी] एस.के. मलिक, संयुक्त निदेशक (शार ए शार)

MINISTRY OF RAILWAY

(Railway Board)

NOTIFICATION

New Delhi, the 16th August, 1990

G.S.R. 708(E).—In exercise of the powers conferred by Clause (c) of subsection (2) of Section 60 of the Railways Act, 1989 (24 of 1989) read with section 22 of the general clauses Act 1897 (10 of 1897), the Central Government hereby makes the following rules namely;

- Short title and commencement :—(i) These rules may be called Passengers (Change of Names) Rules 1990.
 - (ii) They shall come into force on the date of the commencement of the Act;

- 2. Definitions:—In these rules unless the context otherwise requires:—
 - (a) 'Act' means the Railways Act 1989 (24 of 1989);
 - (b) 'appropriate authority' means an authority approving the official tours of the Government servant concerned;
 - (c) 'Government servant' means any person serving under the Central or State Government;
 - (d) 'member of the family' means father, mother, brother, sister, son, daughter, husband or wife;
 - (e) 'passenger' means a person travelling on a ticket or on a valid pass;
 - (f) 'reserved ticket' means a journey ticket on which a berth or seat has been reserved;
 - (g) Words and expressions used herein and not defined but defined in the Act shall have the meanings respectively assigned to them in the Act;
- 3. (1) Save as otherwise provided in sub-rule (2) a berth or a seat reserved in the name of a person shall be used only by that person and shall not be transferable to any other person.
- (2) Any railway servant authorised in this behalf by a railway administration may permit the change of name of a passenger having a seat or berth reserved in his name in the following circumstances, namely:—
 - (a) Where the passenger is a Government servant proceeding on duty and appropriate authority makes a request in writing 24 hours before the scheduled departure of the train that the reservation made in the name of the Government servant be transferred to another Government servant proceeding on duty;
 - (b) Where the passenger makes a request in writing 24 hours before the scheduled departure of the train that the reservation made in his name be transferred to another member of his family;
 - (c) Where the passengers are students of a recognised educational institution and the Head of the institution makes a request in writing 48 hours before the scheduled departure of the train, that the reservation made in the name of any student be transferred to any other student of the same institution;

Provided that any such request for change shall be granted only once;

Provided further that in no case such request for change in excess of ten per cent of the total strength of the group shall be granted;

(d) Where the passengers are members of a marriage party and any person deemed to be the Head of such party, makes a request in writing 48 hours before the scheduled departure of the tarin that the reservation made in the name of any member of the marriage party be transferred to any other person;

Provided that any such request for change shall be granted only once;
Provided further that in no case such request for change in excess of ten per cent of the total strength of the group shall be granted.

[No. 89|TGI|20|P] S. K. MALIK, Jt. Director (RAR)